

**SHRI T. V. ANANDAN :** After the recommendation of the Jagannath Das Commission a night duty allowance was introduced by the Railway Board by its letter of the 7th July 1962 wherein under the Operating Department the Assistant Yard Masters and Yard Masters are informed that they will be entitled to night duty allowance since they are continuous workers. As such the question is why in the Lucknow Division these Assistant Yard Masters are not granted night duty allowance.

**DR. RAM SUBHAG SINGH :** That I have already said in my Hindi reply. The Assistant Yard Masters, the Deputy Yard Masters,—there is a big list of such people—are all entitled to this but in the Lucknow Division, as I stated in Hindi, they are characterised as supervisory staff and so it is not being given to them.

**रेगिस्तानी क्षेत्रों में तैनात रेल कर्मचारियों के लिए विशेष भत्ता**

\* 30. **श्री सुन्दर सिंह भंडारी :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पहाड़ी स्थानों तथा अधिक वर्षा वाली जगहों में, जहां जीवन-यापन साधारणतया महंगा है, तैनात रेल कर्मचारियों को क्या विशेष भत्ता दिया जाता है;

(ख) क्या सरकार का ध्यान रेगिस्तानी क्षेत्रों में जहां पीने का पानी तक महंगा है, तैनात रेल कर्मचारियों की कठिनाइयों की ओर दिलाया गया है; और

(ग) यदि उपरोक्त भाग (ख) का उत्तर “हां” हो, तो क्या रेगिस्तानी क्षेत्रों में तैनात कर्मचारियों को भी विशेष भत्ता देने के किसी प्रस्ताव पर सरकार विचार कर रही है ?

†[SPECIAL ALLOWANCE FOR RAILWAY EMPLOYEES POSTED IN DESERT AREAS

\* 30 **SHRI SUNDAR SINGH BHANDARI :** Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Railway employees posted at hilly places and at places with

heavy rainfall where the standard of living is generally high are given special allowance;

(b) whether Government's attention has been drawn to the difficulties of the Railway employees posted in desert areas where even drinking water is costly; and

(c) if the reply to part (b) above be in the affirmative, whether any proposal to extend the special allowance to employees posted in desert areas, is also under Government's consideration ?]

**रेल मन्त्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) :** (क) जो रेल कर्मचारी समुद्री-तल से 1,000 मीटर या इससे अधिक ऊंचाई पर स्थित जगहों पर तैनात हैं, उन्हें प्रतिकर (पहाड़) भत्ता दिया जाता है। किसी स्थान पर केवल भारी वर्षा के कारण कोई विशेष भत्ता नहीं दिया जाता।

(ख) रेगिस्तानी क्षेत्रों में विशेष भत्ता देने के लिए कोई आवेदन या प्रतिवेदन नहीं मिला है।

(ग) सवाल नहीं उठता।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH) : (a) Railway Servants stationed at places which are at an altitude of 1,000 metres or above, above the sea level are allowed compensatory (hill) allowance. No special allowance is sanctioned at any place on account of hereby rainfall alone.

(b) No request or representation for any special allowance in desert areas has been received.

(c) Question does not arise. .

**श्री सुन्दर सिंह भंडारी :** प्रश्न यह है कि जब ऊंचाई की जगहों पर आवश्यक वस्तुओं के खरीदने के लिये और व्यक्ति के स्वास्थ्य को कायम रखने के लिये उसे विशेष खर्चा करना पड़ता है तो क्या मंत्री महोदय रेगिस्तानी क्षेत्रों में जहां अत्यधिक शीत और अत्यधिक

गर्मी के कारण अपने स्वास्थ्य को ठिकाने के लिये पैसा चाहिये और जहाँ साधारण पीने का पानी भी खरीदना पड़ता है वहाँ के कर्म-चारियों को राहत देना आवश्यक नहीं महसूस करते ?

डा० राम सुभग सिंह : जहाँ तक आवश्यकता महसूस करने की बात है इसमें दो राये नहीं हैं। आवश्यकता हम महसूस करते हैं। लेकिन अभी रेगिस्तानी इलाकों में जो हम टैंक बैगन से पानी भेजते हैं उसके लिये अभी कोई इस तरह का किसी जोनल रेलवे से सुझाव नहीं आया है कि वहाँ अलग से कोई इंतजाम किया जाय।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : क्या इन कर्म-चारियों की तरफ से कोई प्रतिवेदन इस सम्बन्ध में मंत्री महोदय के पास आया है ?

डा० राम सुभग सिंह : अभी मूल प्रश्न के भाग (ख) के जवाब में मैंने बताया कि रेगिस्तानी क्षेत्रों में विशेष भत्ता देने के लिये कोई आवेदन या प्रतिवेदन नहीं मिला है।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : क्या मैं यह मानूँ कि अगर इस तरह का कोई प्रतिवेदन मंत्री महोदय के पास आये तो इस संदर्भ में वे उचित विचार करेंगे ?

डा० राम सुभग सिंह : असल में रेल के कर्मचारियों के लिये जहाँ कहीं भी वे कठिन स्थिति में काम करते हैं हम लोगों की पूरी हमदर्दी है और उनकी कठिनाइयों को दूर करने के लिये हम यथाशक्ति उपाय करते हैं। लेकिन अब इस सवाल में चूँकि उनका कोई प्रतिवेदन नहीं आया है, इसलिये माननीय सदस्य जाकर उनसे कहें कि तुम अपना प्रतिवेदन भेज दो तो पता नहीं वह कहाँ तक ठीक होगा।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : यह जो समुद्र तल से 1,000 मीटर की ऊँचाई दी गई है, इसका क्या मापदंड है ?

डा० राम सुभग सिंह : ऊँचे पहाड़ों की बात मैंने बताई है।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : क्या . . . .

श्री सभापति : सुन्दर सिंह जी, आपने कई सवाल कर लिये हैं।

SHRI A. D. MANI : May I ask the Minister whether at any time the concerned railway union had discussed the matter informally with him ? Did they try to bring it up at least in an informal discussion with the railway authorities regarding compensatory allowance for people staying in such desert areas ?

DR. RAM SUBHAG SINGH : When the hon. Member says that, I shall say that this has not been brought to my notice.

SHRI M. P. BHARGAVA : May I know, Sir, from the hon. Minister whether he is in a position to admit or deny that some of the railway employees have to purchase water, and if that is a fact, what arrangements are being made to see that none of the railway employees have to purchase water ?

DR. RAM SUBHAG SINGH : Well, Sir, I can straightway say that wherever a railway station exists, it is our concern to supply water and we will not allow a situation where they are made to purchase water, if they are living in the station precincts.

SHRI B. K. P. SINHA : May I know, Sir, if any scientific study has been made by the Railway Ministry about the calories required by a person living in the desert areas, to keep himself in good health ? What type of diet would he need to keep himself in perfect health ? What calories would be required ?

DR. RAM SUBHAG SINGH : We know about India as a whole and on that basis we go on.

#### POWER TILLER PROJECT ON PUNJAB

\*31. SHRIMATI LALITHA (RAJAGOPALAN) : Will the Minister of INDUSTRY be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 207 in the Rajya Sabha on the 24th February, 1966 and state :

(a) whether the Central Government have since accepted the Punjab Govern-